भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

18.12.2013 को लोक सभा में

पूछा जाने वाला अतारांकित प्रश्न संख्या : 2134

थोरियम आधारित रिएक्टर

2134. श्री पी.सी. मोहनः

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में आत्म-निर्भरता प्राप्त करने के उद्देश्य से थोरियम आधारित विद्युत परियोजनाओं के विकल्प पर विचार कर रही है;

(ख) यदि हाँ, तो क्या सरकार ने इन थोरियम भंडारों को चिह्नित किया है;

(ग) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और

(घ) उक्त परियोजनओं के निर्माण हेतु आवश्यक तकनीक और प्रौद्योगिकीय शोध हेतु सरकार द्वारा प्रदान की जा रही राजसहायता का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय

(श्री वी. नारायणसामी)

(क) जी, हाँ।

(ख) जी, हाँ।

(ग) परमाणु खनिज अन्वेषण तथा अनुसंधान निदेशालय (एएमडी), जोकि परमाणु ऊर्जा विभाग का एक संघटक यूनिट है ने, पूर्वी तथा पश्चिमी तटों के साथ-साथ मौजूद पुलिन बालुका प्लेसर निक्षेपों में, और केरल, तमिलनाडु, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल तथा महाराष्ट्र के हिस्सों में मौजूद इनलैंड प्लेसरों में पाए जाने वाले खनिज मोनाजाइट में विद्यमान थोरियम भंडारों की प्रचुर मात्रा का पता लगाया है।

सितम्बर, 2013 की स्थिति के अनुसार, परमाणु खनिज अन्वेषण तथा अनुसंधान निदेशालय ने, भारत में प्लेसर निक्षेपों में मोनाजाइट के 11.93 मिलियन मीटरी टन स्व-स्थाने स्रोतों का पता लगाया है, जिसमें लगभग 1.07 मिलियन मीटरी टन थोरियम ऑक्साइड (ThO_2) मौजूद है। भारतीय मोनाजाइट में औसतन लगभग 9-10 प्रतिशत ThO_2 मौजूद होता है।

(घ) थोरियम आधारित ऊर्जा परियोजनाओं के निर्माण के लिए आवश्यक प्रौद्योगिकी और तकनीकी जानकारी के संबंध में अनुसंधान करने के लिए पूरे कार्यक्रम का संचालन परमाणु ऊर्जा विभाग द्वारा इन-हाउस किया जा रहा है, और किसी एजेन्सी को कोई सहायता मुहैया नहीं कराई जा रही है।